द्वारा ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन) मापदंडों पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए, आपका बैंक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा जारी किए गए नए निर्देशों के मद्देनजर "व्यवसाय उत्तरदायित्व और निरंतरता रिपोर्ट (बीआरएसआर)" ढांचे को अपनाने का भी प्रयास कर रहा है।

आपके बैंक की निरंतरता पहल

आपके बैंक का प्रयास बहु-वांछित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए निरंतरता पहलों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप करने का रहा है। अन्य बातों के साथ-साथ पहले ही शुरू की गई और विचाराधीन कुछ प्रमुख पहलों में ये भी शामिल हैं:

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के रूप में जलवायु परिवर्तन के विषयों को स्वीकार करते हुए, बैंक ने चरणबद्ध तरीके से वर्ष 2030 तक कार्बन न्यूट्रल संगठन का दर्जा प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्बन तटस्थता कार्यनीति तैयार की है। बैंक के स्वामित्व वाले परिसर में सौर प्रणाली की स्थापना, बैंक के परिसर में ऊर्जा बचाने वाली प्रकाश व्यवस्था और वातानुकूलन प्रणाली की स्थापना निरंतर आधार पर की जा रही है। कैप्टिव उपयोग के लिए बैंक की अपनी पवन चक्कियां भी हैं, जिनकी कुल क्षमता 15 मेगावाट है।

नए उत्पादों से जलवायु संरक्षण के कार्य में सहायता मिलेगी और ई-रिक्शा ऋण, ग्रीन कार ऋण आदि जैसे विशेष ऋण उत्पाद पहले ही शुरू किए गए हैं। "सूर्य शक्ति-सौर वित्त", "जैव-ईंधन परियोजनाओं के लिए वित्त" जैसे नए ऋण उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं। आज दुनिया के समक्ष विद्यमान महत्वपूर्ण जोखिमों में से जलवायु परिवर्तन को एक महत्वपूर्ण जोखिम मानते हुए, बैंक ने जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपनी जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है।

अक्षय ऊर्जा (आरई) बिजली उत्पादन को बढ़ाने के देश के लक्ष्य के अनुरूप, आपका बैंक भी बड़े पैमाने पर आरई वित्तपोषण की सुविधा प्रदान कर रहा है। बैंक ने आरई पावर डेवलपर्स को आगे उधार देने के लिए बहुपक्षीय विश्व बैंक, केएफडब्ल्यू जर्मन डेवलपमेंट बैंक आदि जैसी एजेंसियों से ऋण व्यवस्था की है। वित्त वर्ष 2021-22 में इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज और लक्ज़मबर्ग स्टॉक एक्सचेंज दोनों में एसबीआई के 650 मिलियन अमरिकी डालर के ग्रीन बॉन्ड की लिस्टिंग हुई।

आपके बैंक के कार्यालय, शाखाएं और अन्य संस्थापनाएँ हरित पारिस्थितिकी तंत्र अपनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। अभी तक, बैंक के अठारह (18) परिसरों को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा विभिन्न श्रेणियों (प्लैटिनम/गोल्ड/सिल्वर) के अंतर्गत प्रमाणित किया गया है। बैंक के लगभग 500 परिसरों में अब सौर ऊर्जा स्थापित है और 3000 से अधिक एटीएम सौर ऊर्जा से संचालित हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक के विभिन्न परिसरों में कुल 326 वर्षा जल संचयन स्थल बनाए गए हैं। बैंक अपने बड़ी-बड़ी संस्थापनाओं की बिजली आवश्यकताओं को मौजूदा जीवाश्म ईंधन से हरित स्रोतों में बदलने का भी प्रयास कर रहा है। इस पहल के तहत, बैंक के दो प्रमुख कार्यालय यथा मुंबई के कॉरपोरेट कार्यालय भवन और मुंबई मेट्रो स्थानीय प्रधान कार्यालय को सफलतापूर्वक हरित ऊर्जा प्लेटफार्म पर रूपांतरित किया गया है। कचरे के प्रभावी प्रबंधन के लिए बैंक में इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट (ई-अपशिष्ट) प्रबंधन नीति भी मौजूद है।

वित्त वर्ष 2022 के दौरान आपके बैंक द्वारा देश भर में छह लाख से अधिक वृक्ष लगाए गए।

आपके बैंक ने अपनी डिजिटल कार्यनीति को अपनी समग्र व्यवसाय कार्यनीति के साथ एकीकृत करके बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण किया है। उन्नत डिजिटलीकरण से न केवल व्यापार में अधिक सरलता आएगी, बल्कि इससे ग्रह, जनता और लाभ की ट्रिपल बॉटम लाइन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करके निरंतरता के कार्य भी मजबूत होगा। व्यापार संचालन को सुविधाजनक बनाने और ग्राहक-अनुभव को समृद्ध करने के अलावा, बैंक के प्रमुख डिजिटल एप योनो के कारण कागज का उपयोग बहुत कम हुआ है। यह अनुमान है कि योनो ऐप के माध्यम से खोले गए पूर्व-अनुमोदित वैयक्तिक ऋण (पीएपीएल) खातों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान लगभग 383 लाख शीट कागज की बचत हुई है। इसके अलावा, बैंक के डिजिटल चैनल ग्राहकों को प्रोत्साहित करने के लिए, बैंक ग्रीन रिवार्ड पॉइंट्स की पेशकश कर रहा है, जिसे एसबीआई ग्रीन फंड में क्रेडिट के लिए भुनाया जा सकता है और जिससे प्राप्त राशि का उपयोग वृक्षारोपण, जल संचयन इकाइयों की स्थापना, बायो- शौचालय, कोविड देखभाल गतिविधियाँ आदि जैसी निरंतरता गतिविधियों में किया जाएगा।

वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान आपके बैंक ने विश्व पर्यावरण दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, विश्व मृदा दिवस एवं अर्थ आवर जैसे निरंतरता से संबद्ध विभिन्न दिवसों का आयोजन किया। इसके अलावा, पूरे बैंक में "जॉय ऑफ गिविंग वीक-दान उत्सव" मनाया गया, जिसके माध्यम से समाज के हाशिए के वर्गों के लिए दान गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके अलावा, कर्मचारियों के साथ सकारात्मक रूप से जुड़ने के इरादे से, ईएसजी और एसडीजी संबंधी मामलों पर उन्हें निरंतर जागरूक रखने के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोतरी शुरू की गई। इसके अतिरिक्त, युवा कर्मचारियों के लिए उपयुक्त रूप से तैयार किए गए "सामर्थ्य" नामक अभिनव एंगेजमेंट कार्यक्रम भी प्रारंभ शुरू किया गया, जिसमें भूमिका और कर्तव्यों के सफल निर्वहन में नैतिक और पेशेवर मानकों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

उपर्युक्त के अलावा, बैंक ने वित्तीय साक्षरता प्रदान कर, वित्तीय समावेशन को विस्तारित कर एवं मानव पूंजी के बेहतर प्रबंधन द्वारा सामुदायिक विकास की दिशा में अनेक पहल कर रहा है।

V. अनुषंगियाँ

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकैप्स)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	58.03	100%	620.10

आपके बैंक की 100% स्वामित्व की अनुषंगी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकैप्स) भारत का अग्रणी देशीय निवेश बैंकर है, जो श्रेणी-1 के मर्चेंट बैंकर एवं रिसर्च एनलिस्ट के रूप में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पंजीबद्ध है। वर्ष 1986 में स्थापित एसबीआईकैप्स अपने ग्राहकों को निवेश बैंकिंग एवं कॉरपोरेट परामर्शी सेवाओं से जुड़ी सभी प्रकार की सेवाएँ देता है। इन सेवाओं में परियोजना परामर्शन, ऋण सिंडिकेशन, संरचित ऋण नियोजन, विलय और अधिग्रहण, निजी ईक्विटी, पुनर्रचना परामर्शन, तनावग्रस्त आस्ति समाधान, आईपीओ, एफपीओ, अधिकार निर्गम, ऋण एवं हाइब्रिड पूंजी जुटाना शामिल हैं। एसबीआईकैप्स सरकार की परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना के अनुरूप रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) और इन्फ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आईएनवीआईटी) जैसे नए उत्पादों के माध्यम से निधियाँ जुटाने में भी शामिल है। एसबीआईकैप्स जिसका मुख्यालय मुंबई में है, के देश भर में 5 क्षेत्रीय कार्यालय (अहमदाबाद, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता एवं नई दिल्ली) तथा 4 पूर्ण-स्वामित्व की अनुषंगियाँ यथा एसबीआईकैप सिक्युरिटीज लिमिटेड, एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड, एसबीआईकैप

ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड एवं एसबीआईकैप (सिंगापुर) लिमिटेड हैं।

ब्लूमबर्ग लीग तालिका के अनुसार इसे भारत उधारकर्ता ऋण -अनिवार्य लीड व्यवस्था में 22.6% बाजार हिस्सेदारी के साथ पहला स्थान दिया गया है।

एकल आधार पर एसबीआईकैप्स ने वित्त वर्ष 2021 के 573.11 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2022 के दौरान 601.66 करोड़ रुपए का कर पूर्व लाभ दर्ज किया तथा वित्त वर्ष 2021 के 273.25 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2022 के दौरान 339.70 करोड़ रुपए का कर पश्चात लाभ दर्ज किया। समेकित आधार पर इसने पिछले वर्ष के 527.10 करोड़ रुपए की तुलना में 620.10 करोड़ रुपए का लाभ कमाया है।

वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने नुमालीगढ़ रिफायनरी के लिए ऋण सिंडिकेशन, दीवान हाउसिंग फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए वित्तीय ऋण समाधान, वडोदरा नगरपालिका निगम के प्रथम बॉन्ड जारी करने, भारतीय जीवन बीमा निगम के प्री-आईपीओ परामर्शन एवं आईपीओ जैसे कई मार्की लेनदेन पूरे किए।

क. एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड (एसएसएल)

एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लिमिटेड (एसएसएल) जो दलाली उद्योग के अनिवार्य प्लेयरों में से एक है, ने खुदरा ग्राहकों को प्राथमिक एवं द्वितीयक पूँजी बाजार की सुविधा देने के लिए अपने परिचालन वर्ष 2006 में शुरू किए और यह भारतीय स्टेट बैंक समूह का ब्रोकिंग अंग बन गया।

एसएसएल के 4 मुख्य विभाग हैं यथा रिटेल ब्रोकिंग, रिटेल बिक्री, रिटेल परिसंपत्तियाँ एवं रिटेल संवितरण तथा इन सभी विभागों ने अपना बहुत ही अच्छा प्रदर्शन दर्शाया है।

ब्रोकिंग के मामले में एसएसएल इस समय मोबाइल एप, वेबसाइट एवं डीलर टर्मिनल पर अत्याधुनिक ट्रेडिंग प्लेटफार्मों के जरिए 26 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवाएँ दे रहा है। एसएसएल अपने ग्राहकों को ईक्विटी, डेरिवेटिव्स, म्यूचुअल फंड एवं मुद्रा जैसे कई प्रकार के उत्पाद एवं सेवाएँ देता है।

कंपनी बैंक चैनल एवं ओपन मार्केट चैनल के माध्यम से डिजिटल खाता खोलने के जरिए नए डिमैट खाते प्राप्त कर रहा है। रिटेल परिसंपत्तियों के मामले में एसएसएल भारतीय स्टेट बैंक का प्रमुख सोर्सिंग अंग है और बैंक के समग्र आवास ऋण एवं ऑटो ऋण व्यवसाय में भी यह योगदान दे रहा है। मजबूत आईएफए नेटवर्क के जरिए म्यूचुअल फंडों, बॉन्डों, बीमा, राष्ट्रिक गोल्ड बॉन्डों, कॉरपोरेट जमाराशियों आदि के लिए यह वन स्टॉप तृतीय पक्ष संवितरण अंग है। ग्राहकों को इन उत्पादों के विक्रय/प्रति विक्रय में सभी अन्य व्यवसाय विभागों द्वारा रिटेल संवितरण विभाग की कुशलतापूर्वक सहायता की जा रही है।

सितंबर 2021 में हमने नए "एसबीआई सिक्युरिटीज" मोबाइल एवं वेब ट्रेडिंग एप शुरू किया और नवीनतम वेब एवं मोबाइल ट्रेडिंग प्लेटफार्मों को सहायता प्रदान करने के लिए हमने बैकएंड ट्रेडिंग प्रणालियों की पुनर्रचना की है।

कंपनी को वित्त वर्ष 2021 के 207.70 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2022 के दौरान 232.89 करोड़ रुपए का निवल लाभ हुआ।

ख. एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल)

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसबीआईकाईप वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल) इस समय नीव फंड I (नीव) एवं एसवीएल एसएमई फंड (नीव II) एवं स्पेशल विंडो फॉर एफोर्डबल एंड मिड इनकम हाउसिंग (एसडब्ल्यूएएमआईएच) फंड I का प्रबंधन कर रही है। यह कंपनी सेल्फ रिलायंट इंडिया (एसआरआई) फंड एवं यूके इंडिया डेवलपमेंट को-ऑपरेशन फंड (यूकेआईडीसीएफ) इन दोनों निधियों के लिए निवेश प्रबंधक भी है।

कम आय वाले आठ राज्यों के आधारिक संरचना विकास में निवेश के अधिदेश के साथ नीव भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड द्वारा पंजीकृत श्रेणी-I की वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) है। एसवीएल 63.64 करोड़ रुपए जो कि निधि का 12.61% है, के निवेश के साथ निधि का सामान्य भागीदार है।

एसवीएल एसएमई फंड भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड द्वारा पंजीकृत श्रेणी-I की वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) है, जिसमें पहली बार निवेशकों ने जून 2021 में 480 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जिसमें से 145 करोड़ रुपए आहरणीय कार्पस था। निधि में पहले वर्ष में 127 करोड़ रुपए के तीन निवेश किए गए।

स्पेशल विंडो फॉर एफोर्डबल एंड मिड इनकम हाउसिंग (एसडब्ल्यूएएमआईएच) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड द्वारा पंजीकृत श्रेणी-II की वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) है, जिसमें पहली बार निवेशकों ने 6 दिसंबर 2019 में 10,037.50 करोड़ रुपए का निवेश किया, जिसके अंतर्गत भारत सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र बैंक एवं संस्थाएं निधि के निवेशक रहे। इसे बंद की गई आवासीय परियोजनाओं के मामले में लागू की जाने वाली शेष परियोजना एवं उससे जुड़े वास्तविक अतिरिक्त लागत की पहचान करने का भी अधिदेश है। भारत सरकार ने इस निधि में अतिरिक्त 5,000 करोड़ रुपए निवेश करने का आश्वासन दिया है।

10,000 करोड़ रुपए के कॉर्पस के साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) द्वारा एसआरआई निधि की स्थापना अक्तूबर 2021 में की गई। मार्च 2022 तक डाटर फंडों में 3,465 करोड़ रुपए के 23 निवेशों के लिए अंतिम अनुमोदन भी दिया गया है।

एसवीएल ने वित्त वर्ष 2021 के 79.77 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2022 के दौरान 91.75 करोड़ रुपए की कुल आय अर्जित किया। एसवीएल ने वित्त वर्ष 2021 के 37.04 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में 32.28 करोड़ रुपए का निवल लाभ दर्ज किया।

ग. एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एसटीसीएल)

एसटीसीएल ने 1 अगस्त, 2008 से सिक्यूरिटी ट्रस्टी व्यवसाय शुरू किया। यह इन्फ्रा परियोजनाओं एवं बड़े एवं मध्यम कॉरपोरेटों के लिए उच्च मूल्य के ऋण हेतु सिक्यूरिटी ट्रस्टी सेवाएँ प्रदान करने में सक्रिय है और यह उद्योग में नंबर वन सिक्यूरिटी ट्रस्टी है। ये कॉरपोरेटों द्वारा जारी किए गए डिबेंचरों/बॉन्डों के लिए डिबेंचर ट्रस्टी की भूमिका भी निभा रहे हैं। एसटीसीएल शेयर गिरवी ट्रस्टी, एस्क्रौ ट्रस्टी, वैकल्पिक निवेश निधि एवं आईएनवीआईटी जैसी अन्य संबद्ध सेवाएँ भी दे रहा है।

एसटीसीएल ने वित्त वर्ष 2021 के 12.98 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में 15.71 करोड़ रुपए का निवल लाभ दर्ज किया।

साथ ही एसटीसीएल ने "वर्चुअल डाटा रूम (वीडीआर)" नामक नया उत्पाद बनाया है, जो क्लाउड स्टोरेज एवं आसानी से रिट्रीव करने की सुविधा प्रदान करता है।

D. एसबीआईकैप (सिंगापुर) लिमिटेड (एसएसजीएल)

एसएसजीएल एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। इसने दिसंबर 2012 में कारोबार शुरू किया। एसएसजीएल परिचालन को स्वैच्छिक रूप से समाप्त करने की प्रक्रिया में है। मॉनीटरी एथारिटी ऑफ सिंगापुर (एमएएस) को लाइसेंस वापस करने की प्रक्रिया पूरी की गई है।

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआईसीपीएसएल)

(₹ in crore)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड	652.63	69.20%	1,616

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआई कार्ड) एक गैर-बैंक वित्तीय कंपनी है, जो वैयक्तिक कार्डधारकों और कॉरपोरेट ग्राहकों को व्यापक क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो प्रदान करती है, जिसमें आय प्रोफाइल और जीवनशैली के अनुसार सभी प्रमुख कार्डधारकों के खंडों को शामिल करने वाले कॉरपोरेट कार्ड के साथ-साथ जीवनशैली, पुरस्कार, यात्रा और ईंधन एवं बैंकिंग साझेदारी कार्ड शामिल हैं। इसके पास संभावित ग्राहकों से जुड़ने के लिए विविधीकृत ग्राहक अभिग्रहण चैनल मौजूद हैं।

वित्तीय प्रदर्शन (वित्त वर्ष 2022):

- लाभप्रद परिचालन : 1,616 करोड़ रुपए का कर पश्चात लाभ, 64% वर्षानुवर्ष वृद्धि, औसत परिसंपत्तियों पर 156 आधार अंकों से अधिक 5.4% का वर्षानुवर्ष प्रतिलाभ, नियोजित परिसंपत्तियों पर 621 आधार अंकों से अधिक 22.8% का वर्षानुवर्ष प्रतिलाभ।
- बाजार हिस्सेदारी : प्रचलित कार्ड 18.9%, व्यय 19.2%, लेनदेन 19.8% (फरवरी 2022 तक उपलब्ध भारतीय रिज़र्व बैंक रिपोर्ट के अनुसार)।
- बढ़ता पोर्टफोलियो : प्रचलित 1.38 करोड़ कार्ड के साथ 16% वर्षानुवर्ष वृद्धि, 186,353 करोड़ रुपए के व्यय के साथ व्यय में 52% वर्षानुवर्ष वृद्धि, 31,281 करोड़ रुपए की प्राप्य राशियों के साथ 25% वर्षानुवर्ष वृद्धि।
- आस्ति गुणवत्ता : सकल अलाभकारी आस्तियां 2.22%, निवल अलाभकारी आस्तियां 0.78%, कुल प्रबंधन परिव्यय 51 करोड़ रुपए।
- सुदृढ़ सीएआर 23.8%, टी-1 21.0%

पुरस्कार एवं मान्यताएँ :

- क्रेडिट कार्ड श्रेणी में सुपर ब्रांड 2021 के रूप में मान्यता।
- क्रेडिट कार्ड श्रेणी के अंतर्गत वर्ष 2021 के लिए रीडर्स डाइजेस्ट का विश्वसनीय ब्रांड का पुरस्कार।
- आईएसओ 31000 अनुपालन एवं सीओपीसी प्रमाणीकरण प्राप्त।
- बैंक ऑफिस ग्राहक सेवा के लिए स्टेवि का रजत पुरस्कार तथा ग्राहक सेवा निवेश श्रेणियों पर उत्कृष्ट प्रतिलाभ के लिए स्टेवि का कांस्य पुरस्कार।

एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड (एसबीआई डीएफएचआई)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	131.52	72.17%	142.06

एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड अखिल भारतीय मौजूदगी के साथ सबसे बड़ा स्टैंड अलोन प्राइमरी डीलर (पीडी) है। प्राथमिक नीलामियों में बही निर्माण प्रक्रिया का समर्थन करने एवं सरकारी प्रतिभूतियों में द्वितीयक बाज़ारों को गहराई और तरलता प्रदान करने के लिए यह अधिदेशित है। सरकारी प्रतिभूतियों के अलावा, यह मुद्रा बाजार लिखतों, गैर-सरकारी प्रतिभूति ऋण लिखतों का भी व्यवसाय करता है। प्राथमिक डीलर के रूप में इसकी व्यावसायिक गतिविधियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नियंत्रित की जाती है।

कंपनी ने 31 मार्च, 2021 के 251.67 करोड़ रुपए की तुलना में 31 मार्च, 2022 को 142.06 करोड़ रुपए का निवल लाभ दर्ज किया। कुल तुलन पत्र का आकार 31 मार्च, 2021 के 10,013.90 करोड़ रुपए की तुलना में 31 मार्च, 2022 को 13,079.28 करोड़ रुपए रहा।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआईजीआईसी)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	151	69.96%	131

एसबीआई जनरल तेजी से बढ़ने वाली निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक है, जो बदलते भारत का अत्यंत विश्वसनीय सामान्य बीमाकर्ता बनने के विजन के साथ-साथ विश्वास एवं सुरक्षा की विरासत आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2009 में पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में स्थापित एसबीआई जनरल मूल रूप से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) एवं इंश्योरेंस आस्ट्रेलिया ग्रुप लिमिटेड की अनुषंगी आईएजी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के बीच संयुक्त उद्यम था। कंपनी की 74% हिस्सेदारी में से 4% हिस्सेदारी को वर्ष 2018 में वापस लिया गया। इसके अलावा आईएजी जो पूर्व के संयुक्त उद्यम का 26% भागीदार था, ने नेपियन ओपर्चुनिटीज़ एलएलपी से 16.01% एवं हनी व्हीट इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड से 9.99% हिस्सा वापस लेकर मार्च 2020 में पूर्ण रूप से बाहर आ गया।

अखिल भारतीय स्तर पर एसबीआई जनरल की वर्ष 2011 की 17 शाखाओं की उपस्थिति बढ़कर 137 से अधिक हो गई है। आज की तारीख तक कंपनी एक सुदृढ़ बहु-वितरण मॉडल जिसमें बैंकएश्योरेंस, एजेंसी, ब्रोकिंग एवं रिटेल डाइरेक्ट चैनल शामिल हैं, के जरिए लगभग 8.7 करोड़ ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान कर रही है। दीर्घावधि वहनयोग्य मूल्य सृजित करने के लिए कंपनी ने भारत के प्रमुख ऑटोमोबाइल विनिर्माताओं एवं ब्रोकरों के साथ कार्यनीतिक गठजोड़ भी किए हैं।

एसबीआई जनरल तीन प्रमुख ग्राहक खंडों यथा खुदरा खंड, कॉरपोरेट खंड एवं एसएमई खंड को सेवाएँ देने पर ध्यान दे रहा है और यह किफ़ायती दरों पर नए जमाने की प्रक्रियाओं एवं सेवाओं के साथ भारतीयों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

एसबीआई जनरल ने वित्त वर्ष 2022 में 4.15% बाजार हिस्सेदारी के साथ 11% वृद्धि दर दर्ज किया और निजी बीमाकर्ताओं में इसका स्थान 7वां तथा समग्र उद्योग में 12वां रहा। एसबीआई जनरल ने वित्त वर्ष 2022 में 131 करोड़ रुपए का निवल लाभ अर्जित किया।

पुरस्कार एवं मान्यताएँ :

- ग्रामीण उपस्थिति के लिए इंश्योरेंस एलर्ट्स द्वारा वर्ष 2021 का एशिया की सर्वोत्कृष्ट सामान्य बीमा कंपनी पुरस्कार।
- युगव फाइनेंस पर्चेस रैंकिंग में सामान्य बीमा के तहत वर्ष 2021 के लिए पहला स्थान।
- फिक्की इंश्योरेंस उद्योग पुरस्कारों के अंतर्गत गैर-जीवन बीमा श्रेणी में वर्ष के बीमाकर्ता का पुरस्कार।
- एनडीटीवी 24*7 की भागीदारी में मार्क्समेन डेली द्वारा बीएफएसआई उद्योग में उत्कृष्टता दिखाने के लिए वर्ष 2021 के 50 अत्यंत विश्वसनीय ब्राण्डों में से एक का पुरस्कार।
- एसएबीईआरए 2021 में 'रिस्पॉसिबल बिजीनेस ऑफ द ईयर' का पुरस्कार।

एसबीआई ग्लोबल फ़ैक्टर्स लिमिटेड (एसबीआईजीएफएल)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई ग्लोबल फ़ैक्टर्स लिमिटेड	137.79	86.18%	25.26

एसबीआईजीएफएल देशी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए फ़ैक्टरिंग सेवाओं का अग्रणी प्रदाता है। कंपनी की सेवाएँ बही ऋणों में बंद संसाधनों को मुक्त करने और आवश्यक चलनिधि प्रदान करने के लिए एमएसएमई क्षेत्र के ग्राहकों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हैं।

कंपनी ने मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के 18.47 करोड़ रुपए की तुलना में मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए 25.26 करोड़ रुपए का कर पश्चात लाभ अर्जित किया। कंपनी का टर्नओवर मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के 4,352 करोड़ रुपए की तुलना में मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए 4,773 करोड़ रुपए रहा।

मार्च 2021 को समाप्त पिछले वर्ष के 982 करोड़ रुपए की तुलना में मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए टीआरईडी में टर्नओवर 1,737 करोड़ रुपए रहा।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआई लाइफ)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड.	555	55.48	1506

एसबीआई लाइफ के पास एक विस्तृत बैंकएश्योरेंस चैनल सहित एक बहु-चैनल वितरण नेटवर्क है, जिसमें भारत में सबसे बड़े बैंकएश्योरेंस भागीदार के रूप में भारतीय स्टेट बैंक, एक व्यापक एवं उत्पादक व्यक्तिगत एजेंट नेटवर्क, जिसमें 31 मार्च, 2022 तक 146,057 एजेंटों के साथ ही अन्य वितरण चैनल, जिसमें प्रत्यक्ष बिक्री तथा कॉरपोरेट एजेंटों, दलालों, बीमा विपणन फर्मों और अन्य बिचौलियों के माध्यम से बिक्री शामिल है।

कंपनी ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त अवधि में निजी बीमा कर्ताओं के बीच व्यक्तिगत नए व्यवसाय' प्रीमियम, व्यक्तिगत रेटेड प्रीमियम, कुल रेटेड प्रीमियम और कुल नए व्यवसाय प्रीमियम में अग्र स्थान के साथ अपने बाजार नेतृत्व को साबित किया है। वित्त वर्ष 2022 के दौरान, 19.2 लाख से अधिक व्यक्तिगत नई पॉलिसियाँ जारी की गईं। 952 कार्यालयों के अपने नेटवर्क के माध्यम से व्यापक पहुंच का लाभ उठाते हुए, एसबीआई लाइफ ने व्यवस्थित रूप से बड़े ग्रामीण क्षेत्रों को बीमा पहुंच के तहत लाया है।

कंपनी ने 12.9% की उद्योग वृद्धि की तुलना में कुल नए बिजनेस प्रीमियम (एनबीपी) में 23.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। 31 मार्च 2022 तक सभी निजी कंपनियों के बीच कुल नए बिजनेस प्रीमियम (एनबीपी) में एसबीआई लाइफ की बाजार हिस्सेदारी 22.0% है। 31 मार्च 2022 को समाप्त अवधि के लिए कंपनी का कुल नया बिजनेस प्रीमियम 25,457 करोड़ रुपए है। 31 मार्च 2022 को समाप्त अवधि के लिए व्यक्तिगत नया बिजनेस 16,501 करोड़ है, और समूह नया बिजनेस प्रीमियम 8,958 करोड़ है।

एसबीआई लाइफ ने वित्त वर्ष 2021 में 1,456 करोड़ रुपए के कर पश्चात लाभ (पीएटी) की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में 1,506 करोड़ रुपए का पीएटी दर्ज किया है। कंपनी की प्रबंधनाधीन आस्तियां (एयूएम) ₹2.6 ट्रिलियन के आंकड़े को पार कर गईं और 31 मार्च 2021 को 2,20,871 करोड़ की तुलना में 21% की वृद्धि के साथ 31 मार्च 2022 को यह 2,67,409 करोड़ रुपए दर्ज की गईं।

वित्त वर्ष 2022 के लिए, भारतीय एंबेडेड वैल्यू (आईईवी) 39,625 करोड़ है, वित्त वर्ष 2022 के लिए नए बिजनेस का मूल्य (वीओएनबी) 3,704 करोड़ है। वीओएनबी मार्जिन 25.9% रहा।

पुरस्कार एवं सम्मान:

- 20वें आउटलुक मनी अवार्ड्स 2021 में 'लाइफ इंश्योरेंस में कस्टमर ओरिएंटेशन' के लिए एडिटर्स च्वाइस अवार्ड्स में 'स्वर्ण'
- एम-कनेक्ट लाइफ मोबाइल एप्लिकेशन के लिए डिजिटल मार्केटिंग एक्सीलेंस इन टेक्नोलॉजी के लिए डीआईजीआईएक्सएक्स अवार्ड्स 2021 में 'गोल्ड' ऑनर'
- गोल्डन पीकॉक अवार्ड्स द्वारा 'गोल्डन पीकॉक नेशनल ट्रेनिंग अवार्ड' (जीपीएनटीए)
- एकीकृत स्वास्थ्य और कल्याण परिषद (आईएचडबल्यूसी) द्वारा 'ग्रामीण स्वास्थ्य पहल' श्रेणी के तहत "कांस्य" पुरस्कार
- फिक्की बीमा उद्योग पुरस्कार 2021 में "वर्ष का बीमाकर्ता - लाइफ श्रेणी"
- बैंकिंग फ्रंटियर्स द्वारा इंश्योरनेक्स्ट अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर पहल"
- बैंकिंग फ्रंटियर्स द्वारा इंश्योरनेक्स्ट अवार्ड्स में "सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन पहल"
- बैंकिंग फ्रंटियर्स द्वारा इंश्योरनेक्स्ट अवार्ड्स में "सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधन व्यवहार"

एसबीआई फंडस मैनेजमेंट लिमिटेस (एसबीआईएफ़एमएल)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई फंडस मैनेजमेंट लिमिटेस	31.50	62.59	1070.65

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (जिसे पहले एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) एसबीआई म्यूचुअल फंड की एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) है। यह उद्योग में मार्केट लीडर है और देश में सबसे तेजी से बढ़ते एएमसी में से एक है।

वित्तीय वर्ष 2021- 22 में, म्यूचुअल फंड सेगमेंट के तहत, इसने औसत उद्योग वृद्धि 19.5% की तुलना में 28.3% की वृद्धि दर्ज की है। पिछले तीन वर्षों में एसबीआईएफ़एमएल ने उद्योग औसत 16.1% की तुलना में 31.6% का सीएजीआर हासिल किया है, जो इसकी निरंतरता को प्रदर्शित करता है। इसके पास एक बड़ा निवेशक आधार है, जिसमें 31.50 लाख नए फोलियो सहित 107 लाख से अधिक सक्रिय निवेशक फोलियो हैं। फंड हाउस में प्रत्यक्ष निवेशक श्रेणी के तहत 22.79 लाख सक्रिय फोलियो हैं और संस्थागत निवेशक श्रेणी के तहत 2.1 लाख से अधिक फोलियो हैं, जिसमें 1240 सेवानिवृत्ति फंड शामिल हैं। एसबीआईएफ़एमएल ने 51.6% की प्रमुख बाजार हिस्सेदारी के साथ निष्क्रिय फंड श्रेणी (ईटीएफ़) में अपनी शीर्ष नेतृत्व की स्थिति बनाए रखी है।

मार्च 2022 को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी की औसत प्रबंधनाधीन आस्तियां (एएयूएम) ₹6,47,067 करोड़ थीं, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 16.86% थी, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह क्रमश: ₹5,04,455 करोड़ और 15.71% दर्ज की गई थी। एकल आधार पर, एसबीआईएफ़एमएल ने पिछले वर्ष अर्जित 862.76 करोड़ की तुलना में इस वर्ष के दौरान 1070.65 करोड़ का कर पश्चात लाभ (पीएटी) अर्जित किया है।

कंपनी की मॉरीशस में एक पूर्ण स्वामित्व वाली विदेशी सहायक कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्राइवेट लिमिटेड है, जो अपतटीय फंड का प्रबंधन करती है। एसबीआईएफ़एमएल वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ़) का प्रबंधन भी करती है और अपने घरेलू व्यवसाय के हिस्से के रूप में संस्थानों और व्यक्तियों को पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएँ (पीएमएस) प्रदान करती है।

एसबीआई पेमेंट सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई पेमेंट्स)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई पेमेंट्स	4.50	74%	142.36

एसबीआई व्यापारी अधिग्रहण व्यवसाय के लिए एक विशेष संयुक्त उद्यम अर्थात एसबीआई पेमेंट सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई पेमेंट्स स्थापित करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है और कंपनी में 74% हिस्सेदारी

रखता है। कंपनी का उद्देश्य देश के सभी भौगोलिक क्षेत्रों में एक अत्याधुनिक स्वीकृति पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है तथा व्यापारियों को विभिन्न स्वरूप में डिजिटल रूप से भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाना है।

एसबीआई पेमेंट्स देश के सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ताओं में से एक है, जिसके पास 31 मार्च, 2022 के दिन विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों (टियर 1 से टियर 6) में 2.45 मिलियन से अधिक व्यापारी भुगतान स्वीकृति टच पॉइंट्स और 9.24 लाख से अधिक पीओएस मशीनें हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी ने योनो एसबीआई मर्चेंट एप्लिकेशन (एक सॉफ्ट पीओएस समाधान) के माध्यम से टीकाकरण और छात्रवृत्ति के भुगतान के लिए स्वीकृति शुरू की है। मर्चेंट ऑनबोर्डिंग के लिए मौजूदा चैनलों के अलावा, कंपनी ने पूरे भारत में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण भुगतान सुविधाकर्ताओं के साथ साझेदारी करना शुरू किया है।

एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईपीएफ़पीएल)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड. *	18	92.52%	51.98

*कंपनी में एसबीआई कैपटल मार्केट्स लिमिटेड तथा एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड प्रत्येक की 20% इक्विटी हिस्सेदारी है।

एसबीआईपीएफपीएल केंद्र सरकार (सशस्त्र बलों को छोड़कर) और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एनपीएस के तहत पेंशन फंड के प्रबंधन के लिए पीएफआरडीए द्वारा नियुक्त तीन पेंशन फंड प्रबंधकों में से एक है, और निजी क्षेत्र के तहत पेंशन फंड के प्रबंधन के लिए नियुक्त सात पेंशन फंड प्रबंधकों में से एक है। .

31 मार्च 2022 को कंपनी की कुल प्रबंधनाधीन आस्तियां (एयूएम) 2,82,476 करोड़ (26.89% की वार्षिक वृद्धि) है। कंपनी 38.35% की बाजार हिस्सेदारी के साथ प्रबंधनाधीन आस्तियों (एयूएम) के संदर्भ में पेंशन निधि प्रबंधकों (पीएफ़एम) के बीच सबसे आगे की स्थिति में है।

01.04.2021 से पीएफआरडीए द्वारा निवेश प्रबंधन शुल्क में वृद्धि के कारण कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में अब तक का सबसे अधिक 51.98 करोड़ रुपए का कर पश्चात लाभ (पीएटी) अर्जित किया है।

एसबीआई एसजी ग्लोबल सेक्यूरिटीज़ सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई-एसजी)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई एसजी ग्लोबल सेक्यूरिटीज़ सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड.	52	65%	100.19

एसबीआई-एसजी, भारतीय स्टेट बैंक तथा सोसाइटी जनरल के बीच का एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक की 65% हिस्सेदारी है। 2010 में वाणिज्यिक संचालन शुरू करने वाले एसबीआई-एसजी की स्थापना एसबीआई समूह द्वारा अपने प्रीमियम ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली प्रमुख वित्तीय सहायताओं के समूह को पूरा कर उच्च गुणवत्ता वाली अभिरक्षा और निधि प्रशासन सेवाएं प्रदान करने के लिए किया गया है।

31.03.2022 को एसेट अंडर कस्टडी (एयूसी) के 12,70,299 करोड़ रुपए है, जबकि 31.03.2022 को प्रबंधनाधीन आस्ति (एयूएम) 8,99,880 करोड़ रुपए है। कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2021 के 87.02 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2022 के लिए 100.19 करोड़ रुपए है।

एसबीआई-एसजी को क्रॉस बॉर्डर क्लाइंट केटेगरी- 2021 में "बेस्ट सब-कस्टोडियन" के रूप में आँका गया है, साथ ही डोमेस्टिक क्लाइंट केटेगरी में नंबर 2 आँका गया है। ग्लोबल कस्टोडियन पत्रिका के एजेंट बैंकों व इमर्जिंग मार्केट सर्वे-2021 के अनुसार एसबीआई-एसजी को भारत में सर्वश्रेष्ठ फंड एडमिनीस्ट्रेटर एवं ग्लोबल आउटपरफ़ॉर्मर का दर्जा दिया गया है।

एसबीआई फाउंडेशन

कंपनी अधिनियम (2013) की धारा VIII की कंपनी के तहत भारतीय स्टेट बैंक द्वारा वर्ष 2015 में एसबीआई फाउंडेशन की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य है एसबीआई एवं उनके अनुषंगियों द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्वों से जुड़े कार्यों पर योजनाबद्ध तरीके से ध्यान केंद्रित करना।

एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से आपका बैंक एक समावेशी, टिकाऊ और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक आदर्श बदलाव कर रहा है, जिसके माध्यम से देश भर के हाशिए पर रहने वाले और वंचित समुदाय के लोग क्षेत्र, धर्म, जाति, पंथ या लिंग के आधार पर बिना किसी भेदभाव के स्वस्थ और समृद्ध जीवन जी सकते हैं। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, वर्ष के दौरान 168.09 करोड़ रुपए के बजट की कुल 105 परियोजनाएं संस्वीकृत की गई।

कोविड-19 प्रतिक्रिया

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, एसबीआई फाउंडेशन ने कोविड देखभाल केंद्रों/आईसीयू सुविधाओं, जीनोम सीक्वेंसिंग, स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के उन्नयन, गैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी में पहल और यूपीआई आधारित प्रीपेड टीकाकरण वाउचर, टीकाकरण के प्रति हिचकिचाहट हटाने आदि जैसी विभिन्न कोविड-19 राहत पहलों को बढ़ावा देने के लिए 99.37 करोड़ रुपए की 62 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

आईसीयू बेड, ऑक्सीजनेटेड बेड, कोविड-19 देखभाल केंद्रों, आइसोलेशन केंद्रों की स्थापना के लिए कई पहल किए गए। 550 ऑक्सीज़न सिलेंडरों एवं 84 ऑक्सीज़न कान्सेट्रेटरोंके साथ 6 ऑक्सीज़न जनरेशन संयंत्रों की स्थापना की गई। कोविड की संभावित तीसरी लहर का सामना करने के लिए क्षेत्र में स्वास्थ्य आधारिक संरचना में सुधार करने और उसे मजबूत करने के लिए 115 बेड के लिए ऑक्सीज़न आपूर्ति के साथ डॉ हेगड़ेवार चैरिटबल अस्पताल में ओस्किजन पाईपलाइन एक्सटेंशन (2000 एलपीएम) एवं ऑक्सीज़न निगरानी प्रणाली स्थापित की गई।

स्वास्थ्य देखभाल के प्रमुख कार्यक्रम

अंअंग दान, मोबाइल मेडिकल यूनिट, न्यूक्लिक एसिड प्रवर्धन परीक्षण, ब्लड बैंक में एस्फेरिस मशीन, भ्रूण हृदय असामान्यता के लिए ईसीजी जांच, फीटल सर्जरी और न्यूरो पुनर्वास केंद्र जैसी विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल पहल की गई।

प्रोजेक्ट गिफ्ट होप, गिफ्ट लाइफ : इस परियोजना के जरिए मोहन फाउंडेशन के साथ भागीदारी में मणिपुर, कर्नाटक, चंडीगढ़ (संघ शासित प्रदेश), आंध्र प्रदेश एवं महाराष्ट्र में अंग विफलता वाले रोगियों के लिए सहायता समूह को बढ़ावा देकर तथा नागरिकों में जागरूकता बढ़ाकर एवं प्रतिज्ञा ज लेकर अंग दान हेल्पलाइन, स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के प्रशिक्षण, अंग दान कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के जरिए मृत दाताओं से एसबीआई फाउंडेशन भारत में अंग दान की दर में सुधार करना चाहता है।

प्रोजेक्ट एनएटी : न्यूक्लिक एसिड एंप्लीफिकेशन टेस्टिंग (एनएटी) की स्थापना की गई है। लगभग 50,000 कैंसर रोगियों के लिए ब्लड ट्रांसफ़्यूशन सुरक्षा बढ़ाने हेतु 30 से 35,000 रक्त दाताओं के सैंपलों का परीक्षण करने लिए टाटा मेमोरियल केंद्र द्वारा संचालित मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में प्रगत ब्लड टेस्टिंग तकनीक शुरू करना इसका उद्देश्य है। इससे रोगियों के लिए ब्लड ट्रांसफ्यूशन सुरक्षित होगा, ट्रांसफ्यूशन ट्रांसमिटेड इन्फेक्शन (टीटीआई) के

कारण रुग्णता अथवा मृत्यु कम होगी और वर्तमान एलिसा पद्धति की तुलना में एनएटी द्वारा परीक्षित ब्लड सैंपलों में टीटीआई की पहचान करने की दर बढ़ेगी।

हाशिए पर रहने वाले लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एसबीआई फाउंडेशन हमारे समुदायों को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान करने के लिए विभिन्न विषयगत क्षेत्रों की परियोजनाएं शुरू की है।

एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप

एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप 13 महीने का फैलोशिप कार्यक्रम है, जो भारत के शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं को हमारे ग्रामीण समुदाय के लोगों के संघर्ष एवं उनकी अपेक्षाओं की पूर्ति में उनके साथ हाथ मिलाने का मंच प्रदान करता है। जमीनी स्तर के हमारे साझेदार गैर-सरकारी संगठन, ग्रामीण समस्याओं के समाधान हेतु भी अर्थपूर्ण परियोजनाओं के चयन में ग्रामीणों के साथ जुड़ने की इस यात्रा को सुगम बनाते है। वर्ष 2022-23 अर्थात 10वे बैच के फ़ेलो के लिए आवेदन की प्रक्रिया 4 मार्च 2022 को शुरू हो गई है। 9वी बैच (2021-22) के 74 फ़ेलो द्वारा देश के 15 राज्यों में कार्यान्वयन हेतु अपनी ग्रामीण परियोजना पूरी कर ली गई है।

एसबीआई ग्राम सेवा कार्यक्रम: अगस्त 2017 में शुरू किया गया "एसबीआई ग्राम सेवा" एसबीआई फाउंडेशन का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य दत्तक गांवों में डिजिटलीकरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार जैसे समग्र एवं टिकाऊ ग्रामीण विकास करना है। वित्त वर्ष के दौरान एसबीआई फाउंडेशन ने पाँच राज्यों यथा आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा एवं राजस्थान के नीति आयोग के आकांक्षी जिलों में से 25 नए गांवों को गोद लेकर एसबीआई ग्राम सेवा कार्यक्रम के तीसरे चरण को शुरू कर ग्राम सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत 5 और परियोजनों के लिए मंजूरी दी है। इसके साथ एसबीआई फाउंडेशन ने एसबीआई ग्राम सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत 100 गांवों को गोद लेने संबंधी मील के पत्थर को पार किया है। इस कार्यक्रम ने अभी तक 16 राज्यों के 100 गांवों के 20322 परिवारों एवं 1,13,010 लाभार्थियों को प्रभावित किया है।

भारतीय स्टेट बैंक ग्राम सेवा कार्यक्रम ने पिछले पांच वर्षों में इन गोद लिए गए गांवों को धीरे-धीरे संबंधित स्थानों पर मॉडल विलेज क्लस्टर में बदल दिया है। ये कार्यक्रम वांछित व्यवहार परिवर्तन और सामुदायिक भागीदारी को भी सामने लाने में सक्षम रहा है। संक्षेप में, ग्राम सेवा कार्यक्रम के माध्यम से, एसबीआई फाउंडेशन महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के

प्रोजेक्ट एनएटी, कैंसर रोगियों के लिए एक पहल का उद्घाटन माननीय श्री दिनेश खारा, अध्यक्ष, एसबीआई ने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ साझेदारी में और एसबीआई डीएफएचआई के सहयोग से किया। यहां दाई ओर डॉ. आर.ए. बडवे, निदेशक, टाटा मेमोरियल सेंटर, श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष, एसबीआई से चेक प्राप्त करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

सीएसआईआर सीसीएमबी के साथ साझेदारी में, एसबीआई फाउंडेशन ने जीनोमिक्स -निर्देशित महामारी रोकथाम के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है। भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष श्री दिनेश खारा ने सीएसआईआर सीसीएमबी के निदेशक डॉ विनय कुमार नंदीकूरी को 90,42,20,000 रूपये का चेक सौंपा।

सामाजिक उद्यमिता उन विषयगत क्षेत्रों में से एक है जिस पर एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप काम करता है। इस वर्ष, पिरुल जैसे विभिन्न उद्यम - जो उत्तराखंड की महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने पर केंद्रित हैं, या ग्रामीण तमिलनाडु में स्थित मधुमक्खी पालन उद्यम जैसे कुछ नाम फैलोशिप के दौरान उभरे। ऊपर वाईएफआई साथियों की एक तस्वीर है जो कुछ उत्पादों का प्रदर्शन कर रहीं है।

दर्शन के अनुरूप आत्मनिर्भर (आत्म निर्भर) गांवों के निर्माण की दिशा में काम कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, मद्रास स्कूल ऑफ सोशल वर्क (एमएसएसडब्ल्यू), चेन्नई द्वारा कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करवाया गया और व्यापक कार्यनीति, प्रभावी कार्यान्वयन, निवेश पर सामाजिक प्रतिलाभ (एसआरओआई) और कार्यक्रम की स्थिरता संबंधी पहलुओं की दृष्टि से उन्होंने इस कार्यक्रम को काफी उच्च दर्जा दिया है। कार्यक्रम को विभिन्न मंचों, मीडिया और अन्य लोगों से प्रशंसा और पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। देश के 16 राज्यों में एक प्रभावशाली उपस्थिति के साथ, ग्राम सेवा कार्यक्रम ने हाशिए के समुदायों के उत्थान के लिए एसबीआई फाउंडेशन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, जिससे ग्रामीण भारत के बैंक होने की एसबीआई की लंबे समय से चली आ रही विरासत को जारी रखा गया है।

एसबीआई संजीवनी- क्लिनिक ऑन व्हील्स: एसबीआई फाउंडेशन द्वारा वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान दक्षिण सिक्किम के ग्रामीण समुदायों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एक मोबाइल मेडिकल यूनिट 'एसबीआई संजीवनी- क्लिनिक ऑन व्हील्स' आरंभ की गई थी। इस परियोजना के कारण दूरस्थ गांवों में डोरस्टेप चिकित्सा सेवाएं प्रदान करके समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान, कोविड -19 महामारी के कारण स्वास्थ्य देखभाल में वर्तमान संकट को ध्यान में रखते हुए, एसबीआई फाउंडेशन ने 250 दूरदराज के गांवों में 2 लाख से अधिक लाभार्थियों की अनुमानित पहुंच के साथ 10 राज्यों यथा अरुणाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, तेलंगाना और उत्तराखंड में परियोजना को बढ़ाया है। परियोजना के लिए समुदायों का अच्छा प्रतिसाद मिला है और स्थानीय स्वास्थ्य विभाग भी इस पहल का समर्थन कर रहे हैं।

दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई):

2017 में स्थापित दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र मुख्य रूप से एक महत्वपूर्ण और मापने योग्य सुधार करने के लिए कौशल वृद्धि के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने पर काम करता है। सीओई ने 651 दिव्यांग कर्मचारियों के लिए 27 विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एक सप्ताह की अवधि के) आयोजित किए, जिनमें से 24 कार्यक्रम 599 एसबीआई दिव्यांग कर्मचारियों के लिए रहे। तेलंगाना ग्रामीण बैंक एवं इंडियन

तेलंगाना में एसबीआई ग्राम केंद्र की शुरुआत

एसबीआई के अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार खारा ने एसबीआई संजीवनी-क्लिनिक ऑन व्हील्स को एसबीआई, एसबीआई जनरल और एसबीआई फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई।

सीओई ने वैश्विक पहुंच जागरूकता दिवस (GAAD), अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस (IDPD) और विश्व ब्रेल दिवस मनाया।

ओवरसीज बैंक के 52 दिव्यांग अधिकारियों के लिए 5 दिनों की अवधि के तीन ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक के दृष्टीबाधित 61 अधिकारियों के लिए 5 दिनों की अवधि के दो ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम का प्राथमिक ध्यान दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों की वकालत करने, जागरूकता सृजित करने और दिव्यांगों की सुलभ जरूरतों को पूरा करने पर रहा। अभी तक, सीओई ने छह वेबिनार आयोजित किए हैं, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के 168 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 140 मानव संसाधन अधिकारियों के लिए 4 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। वित्त वर्ष 2022 में, सीओई ने विकलांगता के क्षेत्र पर ध्यान देते हुए 1.00 करोड़ रुपए की परियोजना लागत की "टैक्टोनिक ग्रांड चैलेंज फॉर एसिस्टिव टेक्नॉलजी स्टार्ट अप्स" परियोजना सहित 9.36 करोड़ रुपए की कुल मंजूरी के साथ 8 परियोजनाओं के लिए संस्वीकृति प्रदान की।

दिव्यांग लोगों के पुनर्वास उपचार (पीडबल्यूडी) - 7,000 पुनर्वास सत्रों, मस्तिष्क घाव की चोट (टीबीआई) के संकट के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ प्रत्यक्ष परामर्शन सत्रों एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मस्तिष्क घाव और रीढ़ की हड्डी संबंधी चोटों से पीड़ित 2,000 दिव्यांगों के लिए पुनर्वास सेवाओं का समर्थन करने की एक पहल।

डॉ. एस आर चंद्रशेखर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग की नैदानिक सेवाओं का उन्नयन: एसबीआई फाउंडेशन ने बेंगलुरु की "डॉ एस आर चंद्रशेखर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग की नैदानिक सेवाओं का उन्नयन" परियोजना की सहायता करने के लिए बेंगलुरु स्पीच एंड हियरिंग ट्रस्ट के साथ भागीदारी की है, ताकि संस्थान बातचीत, श्रवण, भाषा और संप्रेषण संबंधी विकार वाले व्यक्तियों को नैदानिक सेवाएं प्रदान कर सके। इस परियोजना से बेंगलुरु शहरी क्षेत्र के आर्थिक रूप से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों के 4700 से अधिक लाभार्थियों को लाभ होगा।

स्कूल फॉर पोटेंशियल एडवांसमेंट एंड रिस्टोरेशन ऑफ कॉन्फिडेंस (स्पार्क इंडिया) - एसबीआईएफ़ ने लखनऊ के सरकारी प्राथमिक स्कूलों में समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसपीएआरसी इंडिया के साथ भागीदारी की है। 20 प्राथमिक स्कूलों को दिव्यांग बच्चों (सीडब्ल्यूडी) के समावेशी स्कूलों के रूप में विकसित करना, क्षमता निर्माण करना, समर्थन करना और 2 साल की अवधि के लिए संबद्ध हितधारकों को संवेदनशील बनाना इस कार्यक्रम का उद्देश्य है।

कार्यक्रम: सीओई ने ग्लोबल एक्सेसिबिलिटी एवेरनेस डे (जीएएडी), अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस (आईडीपीडी) और विश्व ब्रेली दिवस मनाया।

शिक्षा कार्यक्रम

प्रारंभिक भाषा शिक्षण कार्यक्रम, लद्दाख के विद्यालयों एवं अंगनवाडियों का रूपांतरण, वेब आधारित साक्षरता परियोजना, खान अकादमी के साथ गणित शिक्षा, टोय बैंक, विद्यालय परिसरों के जरिए प्रभावी अभिशासन, मिनी विज्ञान केंद्रों की स्थापना, मिडल स्कूल ग्रेडों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अध्यापकों एवं शिक्षा हितधारकों का क्षमता निर्माण, न्यूरो डेवलपमेंट विकार वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा, नेशनल इंटेग्रिटी एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन (एनआईईडीओ), भारत के किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य सुधार की दृष्टि से सुसंगत विद्यालय स्वास्थ्य प्रणाली के विकास हेतु टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस) को सहायता तथा 11 सरकारी विद्यालयों के नवोन्मेषन एवं छात्रों के लिए अनुकूल व व्यापक ज्ञानार्जन परिवेश उपलब्ध करने हेतु 'मॉडल स्कूल' पहल के लिए सहायता जैसी विभिन्न पहलों के लिए सहायता प्रदान करने हेतु 22.53 करोड़ रुपए की तेरह परियोजनाओं को संस्वीकृति दी गई।

आजीविका और उद्यमिता

सामाजिक उद्यमों को इनक्यूबेशन सहायता प्रदान करने के लिए सामाजिक उद्यमों के लिए एसबीआई फाउंडेशन रिवॉल्विंग फंड, एकीकृत मछलीपालन संवर्धन, मेगा वाटरशेड निर्माण, 15 स्टार्ट-अप को वाडी कृषि एवं इनक्यूबेशन सहायता, बैंकिंग वित्तीय सेवा बीमा उद्योग (बीएफएसआई) कार्य भूमिकाओं में 5,000 युवाओं का प्रशिक्षण एवं सामाजिक रूप से बहिष्कृत और अपराधिक व तरुण न्याय प्रणाली आदि कलंकित लोगों को पुनः समेकित करने तथा पुनरावास करने के लिए टीआईएसएस प्रयास जैसी पहलों को सहायता प्रदान करने के लिए 13.60 करोड़ रुपए की वित्तीय लागत वाली आठ परियोजनाओं को संस्वीकृति दी गई।

महिला सशक्तिकरण

कौशल प्रशिक्षण, शिक्षा और सतत आजीविका के माध्यम से तस्करी और हिंसा से बचे लोगों का पुन: एकीकरण : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में प्रासंगिक प्रशिक्षण, शिक्षा और स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करके तस्करी और हिंसा से बचे लोगों को समाज में फिर से संगठित करने की एक पहल।

खेलों को बढ़ावा देना

अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट और कर्णम मल्लेश्वरी फाउंडेशन के साथ साझेदारी में 13 एथलीटों की सहायता के लिए 48.90 लाख रुपए की दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

संवहनीयता और पर्यावरण

फलदार पेड़ लगाने, मेलघाट और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बीच एक महत्वपूर्ण बाघ कॉरिडोर बनाने, खांगचेंडज़ोंगा परिदृश्य में लाल पांडा प्रजातियों के संरक्षण के लिए सहायता तथा औरंगाबाद, महाराष्ट्र में अधिकतम पृथक्करण सुनिश्चित करने के लिए सूखा कचरा प्रबंधन हेतु नवोन्मेषी सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के लिए 6.84 करोड़ रुपए की पाँच

प्रारंभिक भाषा शिक्षण कार्यक्रम (PBSK) - अंबाला, हरियाणा के 474 सरकारी स्कूलों में लगभग ~ 16,000-18,000 बच्चों के भाषा सीखने के परिणामों में सुधार के उद्देश्य से सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की क्षमताओं का निर्माण करने के लिए एक पहल।

परियोजनों के लिए संस्वीकृति प्रदान की गई।

पुरस्कार और प्रशंसा:

पुरस्कार का नाम	श्रेणी	संस्था/एजेंसी
सीएसआर फाउंडेशन ऑफ द ईयर-विजेता	बड़ा	सीएसआर बॉक्स
पर्यावरण - विजेता	छोटा	सीएसआर बॉक्स
अंगदान - विजेता	महत्वपूर्ण योगदान	टाइम्स ऑफ इंडिया
हेल्थ केयर (कोविड -19) के लिए जूरी मान्यता	हेल्थ केयर	इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी)

हमारे देश की दो-तिहाई आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहने के कारण, यह भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक बहुत बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है। प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का हमारा बड़ा नेटवर्क एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है और इस परिदृश्य को पूरा करने की एक बड़ी क्षमता भी रखता है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पास बड़ी संख्या में खाते और दशकों की विश्वास-अर्जित सेवा परंपरा होने के कारण उन्हें विशिष्ट प्रतिस्पर्धात्मक लाभ है, जिसके परिणामस्वरूप ग्रामीण ग्राहकों के साथ इन बैंकों की पहुँच होती है।

स्टेट बैंक ने 14 विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को प्रायोजित किया है। 31 मार्च 2022 तक 217 जिलों में फैले इन आरआरबी की कुल शाखा संख्या 4,725 रही।

एसबीआई के प्रायोजित आरआरबी सीबीएस प्लेटफॉर्म पर हैं और देश में संचालित किसी भी अन्य वाणिज्यिक बैंकों के समान बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं। बैंकों ने सर्वोत्तम कार्य प्रणाली को अपनाया है और अपने ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में ग्राहकों की लगातार बढ़ती मांगों को संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

वित्त वर्ष 2022 की व्यावसायिक मुख्य विशेषताएं:

बैंक द्वारा प्रायोजित 14 आरआरबी की कुल जमाराशियाँ और अग्रिम 31 मार्च 2022 को ₹1,13,502 करोड़ और ₹73,755 करोड़ थी, जो कि 31 मार्च 2021 को ₹1,05,628 करोड़ और ₹66,551 करोड़ थी ।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, लगातार चुनौतीपूर्ण व्यापक आर्थिक वातावरण और कोविड महामारी के बावजूद, आरआरबी ने अपने व्यवसाय में सुधार किया, 31 मार्च 2022 तक जमाराशियों में 7.46% की वृद्धि हुई और अग्रिमों में 10.82% की वृद्धि हुई। पोर्टफोलियो में विविधता लाने की एक नियोजित कार्यनीति के रूप में आरआरबी द्वारा अपने आवास और गोल्ड लोन एक्पोजर में क्रमशः 19.08% और 30.87% (वर्ष दर वर्ष) का विस्तार किया गया है।

₹1,214.05 करोड़ की पेंशन के लिए पर्याप्त प्रावधान करने के बावजूद सभी आरआरबी ने मिलकर वर्ष के दौरान 31 मार्च 2022 तक वर्ष 2021 के ₹1,004.28 करोड़ की तुलना में ₹1,659.53 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। आरआरबी अपने मुख्य बैंकिंग व्यवसाय से आय में सुधार, शुल्क आय प्रवाह को मजबूत करने और परिचालन लागत पर नियंत्रण बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

कोविड-19 महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण आर्थिक स्थिति के बावजूद आरआरबी का संयुक्त सकल अलाभकारी आस्ति अनुपात 31 मार्च 2022 तक घटकर 4.64% हो गया है, जो 31 मार्च 2021 को 5.44% था। 31 मार्च 2021 के 2.16% के मुकाबले शुद्ध एनपीए 1.22% है।

वर्ष के दौरान प्रति कर्मचारी व्यवसाय में सुधार हुआ है। यह 31 मार्च 2021 को ₹10.09 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2022 को ₹10.76 करोड़ रहा।

वित्त वर्ष 2022 के महत्वपूर्ण घटनाक्रम:

समीक्षाधीन वर्ष में कई महत्वपूर्ण कार्य हुए, जिनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

आस्ति प्रबंधन केंद्र (एएमएच) जो कि एक केंद्रीकृत ऋण संसाधन प्रणाली है, की शुरुआत के कारण 4,725 शाखा नेटवर्क वाले 14 आरआरबी के आने वाले वर्षों में अधिक कुशलता से काम करने की उम्मीद है।

नए जमाने के बैंकों से प्रतिस्पर्धा का सामना करने और डिजिटल उपस्थिति के लिए, हमारे सात आरआरबी ने वीडियो केवाईसी सुविधा के साथ डिजिटल खाता खोलने के लिए एक मोबाइल ऐप शुरू किया है। यह सुविधा एसबीआई द्वारा प्रायोजित सभी 14 आरआरबी में लागू की जा रही है।

ट्रेजरी यील्ड/रिटर्न में सुधार के लिए, आरआरबी हेतु गैर-विवेकाधीन पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं (पीएमएस) के लिए एसबीआई फंड मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएमएल) की सेवाएँ लेने के लिए मंजूरी दी गई है। 12 आरआरबी ऑनबोर्ड हैं और शेष 2 आरआरबी प्रक्रिया में हैं।

09 आरआरबी में बीसी चैनल में डिजिटल खाता खोलने के लिए मोबाइल ऐप भी प्रस्तुत किया गया है और इसे सभी आरआरबी में लागू किया जाएगा।

सहयोगी:

क्र.	सहयोगी का नाम	निगमित देश	समूह की हिस्सेदारी (%)	
			वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1	आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	भारत	35.00%	35.00
2	अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	भारत	35.00%	35.00
3	छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	भारत	35.00%	35.00
4	इलाकाई देहाती बैंक $$	भारत	35.00%	35.00
5	झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक$$	भारत	35.00%	35.00
6	मध्यांचल ग्रामीण बैंक	भारत	35.00%	35.00
7	मेघालय ग्रामीण बैंक	भारत	35.00%	35.00
8	मिजोरम ग्रामीण बैंक$$	भारत	35.00%	35.00
9	नागालैंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00%	35.00
10	राजस्थान मरुधारा ग्रामीण बैंक	भारत	35.00%	35.00
11	सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	भारत	35.00%	35.00
12	तेलंगाना ग्रामीण बैंक	भारत	35.00%	35.00
13	उत्कल ग्रामीण बैंक$$	भारत	35.00%	35.00
14	उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	भारत	35.00%	35.00

$$ हमने 10.03.2022 को इन 4 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (अर्थात i. इलाकाई देहाती बैंक, ii.झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, iii.मिजोरम ग्रामीण बैंक और iv.उत्कल ग्रामीण बैंक) में अपना पूर्ण अतिरिक्त आनुपातिक हिस्सा लगाया है, जिसे अब शेयर पूँजी खाता में रखा गया है। इसे अन्य हितधारकों यथा भारत सरकार और संबद्ध राज्य सरकार आनुपातिक हिस्सा डालने के बाद संबद्ध ग्रामीण क्षेत्रीय बैंकों की शेयर पूँजी में हिसाब में लिया जाएगा।

VI. प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण (एमडीए)

भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) (संशोधन) विनियम 2018 के अनुपालन के संदर्भ में नीचे दिए गए विवरणों के अनुपालन निम्नलिखित अनुपात में 25% से अधिक का परिवर्तन हुआ है :

(% में)	मार्च 21	मार्च 22	अंतर (बीपीएस)	% परिवर्तन
निवल लाभ मार्जिन	6.61	10.02	341	51.59
आरओई	9.94	13.92	398	40.04

निवल लाभ मार्जिन :

निवल लाभ में 55.19% की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की गई (वित्त वर्ष 2021 में 20,410 करोड़ रुपए के लाभ से वित्त वर्ष 2022 के दौरान 31,676 करोड़ रुपए के निवल लाभ), जबकि कुल आय (वित्त वर्ष 2021 के 3,08,647 करोड़ रुपए से वित्त वर्ष 2022 में 3,16,021 करोड़ रुपए) में केवल 2.39% की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की गई।

निवल मालियत पर प्रतिलाभ :

निवल लाभ में 55.19% की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की गई (वित्त वर्ष 2021 में 20,410 करोड़ रुपए के लाभ से वित्त वर्ष 2022 के दौरान 31,676 करोड़ रुपए के निवल लाभ), जबकि बैंक के निवल मालियत (वित्त वर्ष 2021 के 2,14,666 करोड़ रुपए से वित्त वर्ष 2022 में 2,40,502 करोड़ रुपए) में 12.04% की वर्षानुवर्ष वृद्धि हुई।

VII. उत्तरदायित्व वक्तव्य :

निदेश बोर्ड एतदद्वारा सूचित करता है कि :

i. वार्षिक लेखे तैयार करते समय लागू लेखमानकों का समुचित अनुपालन किया गया है और महत्वपूर्ण विचलाओं की स्थिति में समुचित स्पष्टीकरण दिया गया है;

ii. उन्होंने ऐसी लेखा नीतियों का चयन और निरंतर प्रयोग किया है और उचित एवं विवेकपूर्ण निर्णय व प्राक्कलन किए हैं, ताकि 31 मार्च, 2022 तक अपने बैंक के मामलों की स्थिति और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आपके बैंक के लाभ एवं हानि का एक सच्चा व उचित दृष्टिकोण दिया जा सके;

iii. उन्होंने आपके बैंक की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने व उनका पता लगाने के लिए बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों के रखरखाव के लिए उचित एवं पर्याप्त सावधानी बरती है;

iv. उन्होंने वार्षिक लेखों को वर्तमान और भावी सतत अपेक्षाओं के अनुसार तैयार किया है;

v. बैंक द्वारा अनुपालन किए जाने के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए गए हैं और ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त एवं प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं;

vi. सभी प्रयोज्य क़ानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली तैयार की गई है तथा एसी प्रणाली पर्याप्त है एवं प्रभावी रूप से कार्य कर रही है।

VIII. आभार

वर्ष के दौरान श्री अनिल कुमार शर्मा को भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19 (च) के अंतर्गत 13 अप्रैल 2021 से श्री चंदन सिन्हा के स्थान पर बोर्ड के निदेशक के रूप में नामित किया गया। श्री प्रफुल्ल छाजेड को भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19 (घ) के अंतर्गत 21 दिसंबर 2021 से बोर्ड के निदेशक के रूप में नामित किया गया। अपना कार्यकाल समाप्त होने पर डॉ पुष्पेंद्र रॉय दिनांक 5 फरवरी, 2022 को बोर्ड से सेवानिवृत्त हुए। श्री संजय मल्होत्रा को भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955 की धारा 19 (ङ) के अंतर्गत 16 फरवरी, 2021 से श्री देबशीष पांडा के स्थान पर बोर्ड के निदेशक के रूप में नामित किया गया।

निदेशक बोर्ड ने श्री चंदन सिन्हा, डॉ पुष्पेंद्र रॉय एवं श्री देबशीष पांडा द्वारा बोर्ड की चर्चाओं में दिए गए योगदानों के लिए उनकी सराहना की।

निदेशकों ने भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी, आईआरडीए और अन्य सरकारी एवं विनियामक एजेंसियों से प्राप्त मार्गदर्शन और सहयोग के लिए अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

निदेशकों ने सभी मूल्यवान ग्राहकों, शेयरधारकों, बैंकों और वित्तीय संस्थानों, स्टॉक एक्सचेंजों, रेटिंग एजेंसियों और अन्य हितधारकों को उनके संरक्षण एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया तथा इस अवसर पर बैंक के कर्मचारियों की समर्पित एवं प्रतिबद्ध टीम के लिए अपना आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय निदेशक बोर्ड के लिए
और उनकी ओर से

अध्यक्ष

दिनांक : 21 मई, 2022